इन्क़िलाबी नज़र
आवाज़ ... आम आदमी की
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 6 मार्च 2025
वर्ष 17 अंक 182 मूल्य 4-00 रूपया पृष्ठ- 12

व्यक्ति अपने कार्यों से महान होता है, अपने जन्म से नहीं।
-चाणक्य

तापमान - अधिकतम 25.9°C (-3.7) न्यूनतम 12.5°C(-0.9) सेंसेक्स 73,730.30 (+740.23) निफ्टी 22,337.30 (+254.65) सोना 86,130 चांदी 98,000 मुद्रा - डालर 86.90 दिरहम 23.66 रियाल 22.17

एरा विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर सेमिनार का आयोजन

लखनऊ (सं)। एरा विश्वविद्यालय के संस्थागत गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ ने लिबरल शिक्षा विभाग के सहयोग से बुधवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी कार्यान्वयन पर हाइब्रिड मोड एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया है। सेमिनार का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के बारे में जागरुकता पैदा करना और नीति को लागू करने में आने वाली समस्याओं पर चर्चा करना था। सभी हितधारक प्राधिकरण, प्रशासनिक अधिकारी, संकाय सदस्य और छात्र इसका हिस्सा थे।

एरा विश्वविद्यालय के संरक्षक निदेशक और उप निदेशक आईक्यूएसी कर्नल डी.के. वासुनकर और डॉ. सिद्धार्थ चंदेल के साथ एनईपी के छात्र प्रतिनिधि सारथी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत लिबरल शिक्षा विभाग की संयोजक और प्रमुख डॉ. शीबा रिजवी के सम्बोधन से हुई। एरा विश्वविद्यालय की प्रो वाइस चांसलर प्रो. फरजाना महदी ने एनईपी 2020 के बारे में जागरुकता की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और इसके कार्यान्वयन के लिए एरा विश्वविद्यालय द्वारा की गई पहलों के बारे में जानकारी दी। इसके बाद बीबीएयू लखनऊ के शिक्षा विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉक्टर सुभाष मिश्रा ने व्याख्यान दिया। डॉ. मिश्रा ने शिक्षा के बारे में लोगों की पारंपरिक विचार प्रक्रिया में बदलाव की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने जोर दिया कि एनईपी 2020 शिक्षा की भारतीय अवधारणा को फिर से जीवंत कर रहा है जो कौशल आधारित अनुभवात्मक शिक्षा है। लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के प्रोफेसर डॉ. नरेंद्र कुमार पांडे ने भी व्याख्यान दिया। प्रोफेसर पांडे ने राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क, पाठ्यक्रम, संरचना के साथ-साथ एनईपी 2020 के अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट और मल्टीपल एंट्री और एग्जिट प्लान पर प्रकाश डाला। संकाय सदस्यों और छात्रों ने विषय पर सवाल उठाते हुए विचार मंथन को सेमिनार में बदल दिया। वक्ताओं ने प्रश्नों के उत्तर दिए। व्याख्यान के बाद एनईपी 2020 जागरूकता के लिए आयोजित नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार दिए गए। कर्नल वासुनकर ने कहा कि यह आयोजन सभी के लिए बहुत ज्ञानवर्धक था। सेमिनार में 200 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।